5.4.24 वकील वादिया द्वारा एक प्रार्थना पत्र पेश किये जाने से पत्रावली सिगट से तलब की गई। प्रार्थना पत्र को शा० प० किया गया। प्रार्थना पत्र मे बताया कि वादीगण एंव प्रतिवादीगण के मध्य आपसी राजीनामा हो चुका है प्रार्थीगण विपक्षीगण के विरुद्ध किसी प्रकार का अनुतोष प्राप्त नही करना चाहते है एंव प्रकरण को आगे नही चलाना चाहते है तथा प्रकरण को इसी स्तर पर ड्रोप फरमाया जावे।

मि. पेश

मैने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया। वादीगण एंव प्रतिवादीगण के मध्य आपसी राजीनामा हो चुका है वादीगण अब प्रतिवादीगण के विरुद्ध कोई अनुतोष प्राप्त नही करना चाहते है। वकील वादीगण प्रतिवादीगण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही चाहने से प्रकरण इसी स्तर पर ड्रोप किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल

Signature Not Verified

Digitally signed by Manoj
Date: 2024.04.24 13:30:13 IST
Reason: SelfAttested